तेवर वही, अंदाज नया .....!
साप्ताहिक
उज्जैन टाइम्स
प्रधान सम्पादक : मनमोहन शर्मा
RNI No. 7583/61

● वर्ष : 63, अंक : 21 ● उज्जैन, मंगलवार दिनांक 20-02-2024 से 26-02-2024 तक ● पृष्ठ : 08 ● मूल्य : 2 रुपये

क्यों भारत लौटने का विकल्प चुनने वाले एनआरआई की संख्या बढ़ रही है?

बेहतर अवसरों की तलाश में दशकों पहले भारत छोड़ने वाले अनिवासी भारतीयों (एनआरआई) की बढ़ती संख्या अब अपने अंतिम वर्षों में देश में वापस लौट रही है।

हालिया सर्वेक्षण से पता चलता है कि USA/Canada/Australia/ Australia/Singapore में कम से कम 60% एनआरआई सेवानिवृत्ति के बाद भारत लौटने पर विचार कर रहे हैं।

सर्वेक्षण से पता चलता है कि ऑस्ट्रेलिया और सिंगापुर में स्थित 80% NRI, UK से 70% और USA से 75% NRI अपनी सेवानिवृत्ति योजनाओं के हिस्से के रूप में भारत लौटने पर विचार करते हैं, इसके बाद 63% Canada NRI हैं।

शोध से यह भी पता चलता है कि बड़ी संख्या में NRI ने सेवानिवृत्ति के बाद स्थानांतरित होने के अपने निर्णय का समर्थन करने के लिए पहले ही भारत में निवेश करना शुरू कर दिया है।

भारत का तेजी से Digital Transformation (डिजिटल परिवर्तन), एक उभरता हुआ मध्यम वर्ग, Infrastructuer Development (बुनियादी ढांचे में सुधार), Better life sytle (बेहतर जीवन शैली), Social and Cultural (सांस्कृतिक परिचितता), Stable Economy (स्थिर वित्तीय प्रणाली), Cheap & Quality Health services (सस्ती स्वास्थ्य सेवा) और बढ़ती आर्थिक स्थिति सेवानिवृत्त NRI के लिए एक अनूठी अपील पैदा करती है, जिन्होंने अपनी युवावस्था में एक बहुत अलग भारत छोड़ दिया था।

हम 4 कारकों या कारणों पर प्रकाश डालते हैं, जो NRI द्वारा अपने सेवानिवृत्त जीवन बिताने के लिए भारत वापस आने की प्रवृत्ति को बढ़ावा दे रहे हैं।

1.जीवनयापन की कम लागत (Lower cost of living)

2.स्वास्थ्य सेवा (health Servies)

3.सांस्कृतिक एवं सामाजिक आकर्षण (Cultural and Social Pull)

4.निवेश के अवसर Investment Opportunities।

5.भारत Wealthy NRI भारतीयों के लिए अधिक आरामदायक जीवन शैली प्रदान करता है

पश्चिम की तुलना में भारत की स्पष्ट रूप से भिन्न सामाजिक संरचना भारतीय जीवनशैली को सेवानिवृत्ति में NRI के लिए अधिक अनुकूल बनाती है।

इसके अतिरिक्त, भारत में रहने की कम लागत NRI को सेवानिवृत्ति के लिए आकर्षित करने में महत्वपूर्ण योगदान देती है।

कई पश्चिमी देशों की तुलना में रहने का खर्च आम तौर पर अधिक किफायती होने के कारण, सेवानिवृत्त लोगों को लगता है कि उनकी पेंशन या बचत भारत में एक आरामदायक जीवन शैली का खर्च उठा सकती है।

भारत में, सेवानिवृत्त लोगों को एक अनूठा लाभ मिलता है-सस्ती घरेलू मदद की तत्काल उपलब्धता, जो पश्चिमी देशों में अक्सर दुर्लभ होती है।

जैसे-जैसे उम्र के साथ शारीरिक क्षमताएं कम होती जाती हैं, खाना पकाने और सफाई जैसे दैनिक कार्यों में आराम से सहायता लेने की क्षमता अमूल्य साबित होती है।

NRI Demand गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवा

Quality Health care NRI की स्थानांतरण योजनाओं में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। पश्चिमी देशों में रहने वाले लोग स्वास्थ्य देखभाल के एक specific standard के आदी हैं, जिससे कई लोग समझौता करने को तैयार नहीं हैं, खासकर सेवानिवृत्ति के बाद के वर्षों के दौरान। सौभाग्य से, भारत ने स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र में, विशेषकर निजी क्षेत्र में महत्वपूर्ण प्रगति की है, जिससे दुनिया भर से रोगियों की बढ़ती संख्या आकर्षित हो रही है।

अत्याधुनिक अस्पतालों और अत्यधिक कुशल चिकित्सा चिकित्सकों के साथ-साथ Over the counter दवाओं तक आसान पहुंच यह सुनिश्चित करती है कि NRI पश्चिम में आदी स्वास्थ्य देखभाल के उच्च मानक का आनंद लेना जारी रख सकते हैं।

सांस्कृतिक और सामाजिक आकर्षण

बच्चों के पालन-पोषण और कठिन कार्य शेड्यूल और लंबे दैनिक आवागमन को सहन करने की जिम्मेदारियों से मुक्त होकर, कई सेवानिवृत्त NRI एक निश्चित खालीपन का अनुभव करने लगते हैं। वे सामाजिक मेलजोल और पारिवारिक माहौल चाहते हैं। भारत वापस आने से उन्हें दोस्तों और रिश्तेदारों के करीब रहने, उत्सव समारोहों में भाग लेने और एक बार फिर सक्रिय सामाजिक जीवन का आनंद लेने का मौका मिलता है।

भारत एक आकर्षक निवेश गंतव्य

पिछले कुछ वर्षों में, भारत के बढ़ते उपभोक्तावाद, तीव्र आर्थिक उन्नति और नीतिगत सुधारों ने विदेशी निवेश का मार्ग प्रशस्त किया है। सेवानिवृत्त NRI अपनी बचत को जमा करने के लिए पुनर्जीवित Indian Equity market में कुछ आकर्षक निवेश अवसर पा सकते हैं।

जबकि भारत सेवानिवृत्ति में अपने जीवन पर विचार करने वाले NRI के लिए एक आकर्षक विकल्प प्रस्तुत करता है, वापसी का निर्णय जटिल और व्यक्तिगत परिस्थितियों पर निर्भर है।

अंतिम कदम भारत और आपके निवास के देश दोनों के वित्तीय परिदृश्यों से अच्छी तरह वाकिफ वित्तीय विशेषज्ञों के साथ सावधानीपूर्वक विचार और परामर्श के बाद उठाया जाना चाहिए।

सम्पादकीय

इसरो ने नई कामयाबी हासिल की

मौसम विज्ञान के क्षेत्र में अपनी पकड़ मजबूत बनाने की दिशा में भारतीय अंतरिक्ष संस्थान इसरो ने नई कामयाबी हासिल की है। श्रीहरिकोटा से तीन चरण वाले जीएसएलवी ने उड़ान भरने के लगभग 18 मिनट बाद इन्सैट-3डीएस को जियोसिंक्रोनस ट्रांसफर ऑर्बिट (जीटीओ) में तैनात कर दिया। यह ऑर्बिट या कक्षा पृथ्वी से 35,786 किलोमीटर ऊपर स्थित है। इस ऊंचाई पर एक सैटेलाइट या उपग्रह उतने ही समय में एक कक्षा पूरी करता है, जितने समय में हमारा ग्रह अपनी धुरी पर एक चक्कर लगाता है, यह पृथ्वी के एक दिन के समान है। यह दूरसंचार और मौसम उपग्रहों के लिए एक लोकप्रिय कक्षा है, जहां से लगभग स्थिर भाव से उपग्रह अपने लक्ष्य पर निगाह बनाए रख सकता है। यह मौसम पूर्वानुमान और आपदा चेतावनी के लिए उन्नत मौसम संबंधी अवलोकन और भूमि व महासागरों की निगरानी के लिए डिजाइन किया गया है। मौसम विज्ञान एक ऐसा क्षेत्र है, जिसमें भारत को तेज तरक्की करने की जरूरत है, क्योंकि अपनी विविध भौगोलिक स्थिति की वजह से यह अनगिनत प्रकार की चुनौतियों से जूझ रहा है।

सैटेलाइट को कक्षा में स्थापित करने की जिम्मेदारी जिस विमानन वाहन पर थी, उसे नॉटी बॉय कहा जा रहा है। इसरो के एक दिग्गज वैज्ञानिक ने लॉन्चिंग की सफलता के बाद खुशी से कहा है कि शरारती लड़का अब आज्ञाकारी हो गया है। दरअसल, इस लॉन्चिंग रॉकेट को पुख्ता करने में बहुत समस्या आ रही थी। इसी वजह से इसे शरारती लड़का या नॉटी बॉय कहा गया। अगर भारतीय अंतरिक्ष वैज्ञानिकों ने इस शरारती लड़के को अनुशासित बना दिया है, तो यह अपने आप में बड़ी कामयाबी है। तरह-तरह के उपग्रह विकसित कर लेने से कहीं ज्यादा चुनौतीपूर्ण है, उपग्रहों को उचित कक्षाओं में स्थापित करने की क्षमता हासिल करना। वास्तव में, इस समग्र लॉन्चिंग वाहन से यह 16वां प्रक्षेपण था और इसका सफल होना बहुत जरूरी था। मौसम संबंधी उपग्रहों में लगातार विकास हो रहा है और नए-नए उपग्रहों को कक्षाओं में स्थापित करना जरूरी है, ताकि सही भविष्यवाणियों की स्थिति बनी रहे। इसरो के लिए यह बहुत अच्छा समय है। विगत महीनों में इसरो ने कुछ बड़ी सफलताएं हासिल की हैं। उदाहरण के लिए, अगस्त 2023 में देश अपने चंद्रयान-3 लैंडर-रोवर मिशन के साथ चंद्रमा-लैंडिंग क्लब में शामिल हो गया। इसके बाद भारत ने आदित्य-एल1 को भी लॉन्च किया है। इसी वर्ष 1 जनवरी को देश ने ब्लैक-होल का अध्ययन करने वाले एक्स-रे पोलारिमीटर उपग्रह को लॉन्च किया है।

कोई शक नहीं है कि भारतीय अंतरिक्ष विज्ञान ने एक लंबा सफर तय कर लिया है, दो साल बाद भारत के पहले उपग्रह आर्यभट्ट को पचास साल हो जाएंगे। 19 अप्रैल, 1975 को रूस ने भारत के आर्यभट्ट को कक्षा में स्थापित किया था। उसके बाद से भारत इस यात्रा में दुनिया के अनेक देशों से आगे निकल गया है। भारत अभी तक 130 से ज्यादा उपग्रह लॉन्च कर चुका है। वह दूसरे देशों की मदद में भी आगे है। मौसम विज्ञान की बात करें, तो साल 2002 में सफलता के साथ लॉन्च हुआ कल्पना-1 भारत का पहला मौसम संबंधी उपग्रह था। आज इसरो इस स्थिति में पहुंच गया है कि नासा आगे बढ़कर उसके साथ अभियान पर काम कर रहा है। संदेश स्पष्ट है कि भारतीय अंतरिक्ष विज्ञान का भविष्य उज्ज्वल है।

पाकिस्तान चीन के कब्जे में, लेकिन जम्मू-कश्मीर तो हमारा है

बीते कुछ वर्षों में देश की सामरिक और विदेश नीति में आमूलचूल परिवर्तन हुए हैं। पड़ोसी देशों के दुस्साहस का सीमा पर हमारी सेना मुंहतोड़ जवाब दे रही है तो दूसरी ओर अपने राष्ट्रीय हितों की रक्षा के लिए अन्तरराष्ट्रीय मंचों पर सार्थक कूटनीतिक प्रयास किए जा रहे हैं। दुनियाभर में भारत की साख और प्रभाव तेजी से बढ़ रहा है। इसके बावजूद हमारे देश का बड़ा भू-भाग और उसमें रह रहे नागरिक पाकिस्तान और चीन के कब्जे में हैं। इन क्षेत्रों में रह रहे हमारे नागरिक नारकीय जीवन जीने को विवश हैं। पाकिस्तान की सेना यहां के बाशिंदों के मानवाधिकारों को आए दिन रौंदती रहती है। हालांकि तीन दशक पहले देश की संसद ने इन क्षेत्रों को दोबारा हासिल करने का संकल्प पारित किया था। लेकिन संसद द्वारा पारित इस संकल्प की दिशा में प्रभावी कदम उठाए जाने का लोगों को बेसब्री से इंतजार है।

देश के इतिहास में 22 फरवरी, 1994 का दिन अत्यंत महत्वपूर्ण है। इस दिन हमारी संसद ने ध्वनिमत से एक प्रस्ताव पारित करके संकल्प व्यक्त किया था कि पाकिस्तान के कब्जे वाला जम्मू और कश्मीर भारत का अटूट अंग है। पाकिस्तान को वह हिस्सा छोड़ना होगा जिस पर उसने कब्जा जमा रखा है। संसद में पारित इस संकल्प में पाकिस्तान अधिकृत जम्मू-कश्मीर में चल रहे आतंकी शिविरों पर गहरी चिंता व्यक्त की गई। और कहा गया कि भारत में अशांति, वैमनस्य और विध्वंस पैदा करने के स्पष्ट उद्देश्य से पाकिस्तान और पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर में आतंकियों को प्रशिक्षण देने के साथ उन्हें हथियार और धन मुहैया कराया जा रहा है। इसके अलावा भारत में घुसपैठ करने के लिए भी आतंकियों की मदद की जा रही है। प्रस्ताव में चार बिंदुओं में संकल्प व्यक्त करते हुए कहा गया कि यह सदन भारत की जनता की ओर से घोषणा करता है कि पाकिस्तान अधिकृत जम्मू कश्मीर भारत का अभिन्न अंग है और रहेगा। भारत अपने इस भाग के विलय का हरसंभव प्रयास करेगा। दूसरे बिंदु में कहा गया है कि भारत में इस बात की पर्याप्त क्षमता है कि वह उन अलगाववादी और आतंकवादी शक्तियों का मुंहतोड़ जवाब दें, जो देश की एकता, प्रभुसत्ता और क्षेत्रीय अखंडता के खिलाफ हों। तीसरे बिंदु में मांग की गई है कि पाकिस्तान जम्मू कश्मीर के उन क्षेत्रों को खाली करे, जिन्हें उसने कब्जाया और अतिक्रमण किया हुआ है। चौथे बिन्दु में स्पष्ट तौर पर चेतावनी दी गई भारत के आंतरिक मामलों में किसी भी तरह के हस्तक्षेप का मुंहतोड़ जवाब दिया जाएगा।

कुछ लोगों का कहना है कि शिमला समझौते के चलते भारतीय संसद द्वारा पारित इस संकल्प के कोई मायने नहीं हैं। दरअसल 1972 में भारत की तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी और पाकिस्तान के तत्कालीन प्रधानमंत्री जुल्फिकार अली भुट्टो के बीच एक समझौता हुआ था। इस समझौते में नियंत्रण रेखा (एलओसी) को दोनों देशों के बीच सीमा के रूप स्वीकार करने की ऐतिहासिक भूल हुई थी। लेकिन जानकारों का मानना है कि शिमला समझौते का कूटनीतिक समझदारी से प्रयोग करके पाकिस्तान अधिकृत जम्मू-कश्मीर को दोबारा भारत में शामिल किया जा सकता है। शिमला समझौते में दोनों देशों ने तय किया था कि वे इन विवादों को आपसी बातचीत से हल करेंगे। इन्हें अन्तरराष्ट्रीय मंचों पर नहीं उठाया जाएगा। लेकिन पाकिस्तान लगातार इस शर्त का उल्लंघन करता रहता है यानी उसने खुद शिमला समझौता तोड़ दिया है। इसके अलावा यहां सबसे महत्वपूर्ण तथ्य ये है कि हम जिसे पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर यानी (पीओके) और पाकिस्तान आजाद कश्मीर कहता है वह कश्मीर का हिस्सा है ही नहीं वह तो जम्मू का भाग है। वह न तो कश्मीर का अंश था और न ही इस रूप में उसका समझौता हो सकता था। पाकिस्तान के कब्जे वाले जम्मू-कश्मीर की भाषा भी कश्मीरी नहीं थी यहां के लोग जिस भाषा का प्रयोग करते हैं वह डोगरी और मीरपुरी का मिश्रण है।

आजादी के बाद लगभग पांच सौ रियासतों का भारत में विलय हुआ लेकिन राजनैतिक नेतृत्व की ढुलमुल नीति के चलते जम्मू और कश्मीर के एक बड़े हिस्से पर पाकिस्तान ने अवैध रूप से कब्जा कर लिया। दरअसल स्वतंत्र राज्य की चाहत में कश्मीर के महाराजा हरीसिंह लम्बे समय तक असमंजस की स्थिति में रहे। निर्णय लेने में देरी के चलते शेख अब्दुल्ला जो पहले भारत के साथ विलय के पक्षधर से उनका मन बदलने लगा और वह स्वतंत्र राज्य की मांग करने लगे। इस बीच पाकिस्तान की तत्कालीन सरकार और सेना ने कबाइली लड़ाकों के साथ मिलकर कश्मीर पर हमला कर दिया। अत्याधुनिक हथियारों के साथ आए इन हमलावरों ने मानवता को तार-तार करते हुए गैर मुस्लिमों की हत्या, लूटपाट और महिलाओं के साथ बलात्कार शुरू कर दिए। हालात इतने खराब हो गए कि खुद महाराजा हरीसिंह ने श्रीनगर से पलायन कर 25 अक्टूबर 1947 को जम्मू आकर सुरक्षित स्थान पर शरण ली। कश्मीर को बचाने के लिए उन्होंने 26 अक्टूबर 1947 को भारत में विलय पत्र पर हस्ताक्षर किए। कश्मीर के भारत में विलय के बाद 27 अक्टूबर 1947 को भारतीय सैनिकों का पहला जत्था जम्मू-कश्मीर पहुंचा। उसने बहादुरी से पाकिस्तानी सेना और कबाइलियों को कश्मीर से बाहर धकेल दिया। हालांकि महाराजा हरीसिंह ने बिना शर्त पूरे कश्मीर का भारत में विलय कर दिया था लेकिन इसे रणनीतिक चूक और नासमझी कहा जाए या अपनी छवि चमकाने की कवायद कि तत्कालीन प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू इस मामले के संयुक्त राष्ट्र संघ में ले गए सामरिक बढ़त के बावजूद पाकिस्तान के कब्जे वाले भारतीय क्षेत्र को खाली कराए बिना संघर्ष विराम पर सहमति जता दी गई।

नतीजन जम्मू-कश्मीर और लद्दाख के लगभग एक लाख 26 हजार वर्ग किलोमीटर से अधिक क्षेत्र पर पाकिस्तान और चीन का अवैध कब्जा है। इसमें मीरपुर मुजफ्फराबाद (जम्मू और कश्मीर) का 14 हजार वर्ग किलोमीटर, गिलगित बाल्टिस्तान (लद्दाख) का लगभग 75 हजार वर्ग किलोमीटर क्षेत्र शामिल है। गिलगित बाल्टिस्तान की शक्सगाम घाटी जिसका क्षेत्रफल लगभग 5600 वर्ग किलोमीटर है को पाकिस्तान ने मार्च 1963 में चीन को उपहार में दे दिया। इसके अलावा 1962 के भारत-चीन युद्ध के बाद से लद्दाख के लगभग 37 हजार वर्ग किलोमीटर क्षेत्र पर चीन ने अवैध कब्जा कर रखा है जिसे अक्साई चीन कहा जाता है।

तत्कालीन प्रधानमंत्री पीवी नरसिम्हाराव की सरकार ने 22 फरवरी 1994 को संसद में एकमत से संकल्प पारित किया कि विदेशी कब्जे वाले जम्मू- कश्मीर क्षेत्र को वापस लेने के लिए भारत हर संभव प्रयास करेगा। लेकिन संसद में दिसम्बर 2019 में नागरिकता संशोधन कानून पर चर्चा के दौरान हैरानी तो तब हुई जब कई विपक्षी सांसदों ने भारत की सीमा अफगानिस्तान से न लगने की बात कही।

आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज के देवलोक गमन पर, समाज में छाई दुख की लहर

उज्जैन। विश्व वंदनीय संत शिरोमणि आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज का देवलोक गमन हो गया जिसको लेकर उज्जैन में ही नहीं पूरे देश में प्रत्येक समाज के लोगों में दुख की लहर छा गई जिसने भी सुना एकदम भौचक हो गया क्योंकि उनको मानने वाले, जानने वाले, समझने वाले, उनकी चरिया देखने वाले लाखों नहीं अपितु करोड़ों लोग थे जो जानते थे कि संतों में संत आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज का जीवन किस प्रकार रहा है

उज्जैन में भी जैसे ही यह खबर सुबह सभी को जैसे ही लगी वैसे ही समाज के लोगों द्वारा उपवास एकाशन करते हुए मंदिरों में मत्रों के जप एवं पूजा पाठ और अभिषेक चलने लगा समाज के कई लोगों ने अपने संपूर्ण प्रतिष्ठान बंद किया एवं काम धंधा से भी पूरा दिन छुट्टी पर रहे एवं समाज की एक महत्वपूर्ण बैठक आचार्य विद्यासागर अतिथि भवन फ्रीगंज में आयोजित की गई जिसमें निर्णय लिया गया कि शाम को आचार्य श्री की विन्यांजलि सभा रखी जाएगी जिसमें संपूर्ण समाज को बुलाया जाएगा।

त्वरित निर्णय लेते हुए संपूर्ण समाज विन्यांजलि सभा के लिए जुट गया और टावर पर विन्यांजलि सभा आयोजित की गई जिसमें संपूर्ण समाज के वरिष्ठ लोगों के साथ-साथ अन्य समाज के लोगों ने भी अपने वक्तव्य उद्बोधन एवं विग्यांजलि प्रस्तुत की देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भावुक अंदाज में दिया आचार्य श्री को विग्यांजलि वही मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने श्रद्धांजलि दी एवं कई राजनेताओं ने श्रद्धांजलि देते हुए शब्द सुमन समर्पित किया।

मोदी जी ने संत शिरोमणि आचार्य श्री 108 विद्यासागर जी महाराज को श्रद्धा पूर्वक एवं आदर पूर्वक नमन किया और उन्होंने कहा मैं आध्यात्मिक जगत की उसे शक्ति को भली-भांति जानता हूं समझता हूं वह हम सबको हमेशा प्रेरणा देते रहे हैं उन्होंने हमारे युवाओं को परंपरा से जोड़ा है गरीबों को शिक्षा व स्वास्थ्य की सुविधा पहुंचाई है उनका पूरा जीवन उस व्यक्ति के लिए प्रेरणा जैसा है जिसने गरीबों व वंचितों के लिए काम करने का संकल्प लिया आज जब भारत प्रगति के पद पर बढ़ रहा है मुझे विश्वास है उनके सिद्धांत और उनका आशीर्वाद ऐसे ही भारत भूमि को प्रेरणा देता रहेगा।

मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने आचार्य श्री की समाधि पर भावपूर्ण विनयांजली दी. मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने अपनी ङ्क पोस्ट में लिखा-विश्ववंदनीय संत आचार्य गुरुवर श्री 108 विद्यासागर जी महाराज का समाधिस्थ होना सम्पूर्ण जगत के लिए अपूरणीय क्षति है. परमपूज्य गुरुवर की शिक्षाएं सर्वदा मानवता के कल्याण और जीवों की सेवा के लिए प्रेरित करती रहेंगी. पूज्य संत श्री की पवित्र जीवन यात्रा को शत-शत नमन.

छत्तीसगढ़ सीएम विष्णु देव साय ने भीआपका जन्म 10 अक्टूबर 1946 को विद्याधर के रूप में कर्नाटक के बेलगाँव जिले के सदलगा में शरद पूर्णिमा के दिन हुआ था। उनके पिता श्री मल्लप्पा थे जो बाद में मुनि मल्लिसागर बने। उनकी माता श्रीमंती थी जो बाद में आर्यिका समयमति बनी। विद्यासागर जी को 30 जून 1968 में अजमेर में 22 वर्ष की आयु में आचार्य ज्ञानसागर ने दीक्षा दी जो आचार्य शांतिसागर शिष्य थे। आचार्य विद्यासागर जी को 22 नवम्बर 1972 में ज्ञानसागर जी द्वारा आचार्य पद दिया गया था, विद्यासागर जी के बड़े भाई अभी मुनि उत्कृष्ट सागर जी है। उनके सभी घर के लोग संन्यास ले चुके है।उनके भाई अनंतनाथ और शांतिनाथ ने आचार्य विद्यासागर जी से दीक्षा ग्रहण की और मुनि योगसागर जी और मुनि समयसागर जी कहलाये।

आचार्य विद्यासागर जी संस्कृत, प्राकृत सहित विभिन्न आधुनिक भाषाओं हिन्दी, मराठी और कन्नड़ में विशेषज्ञ स्तर का ज्ञान रखते हैं। उन्होंने हिन्दी और संस्कृत के विशाल मात्रा में रचनाएँ की हैं। सौ से अधिक शोधार्थियों ने उनके कार्य का मास्टर्स और डॉक्ट्रेट के लिए अध्ययन किया है।उनके कार्य में निरंजना शतक, भावना शतक, परीषह जाया शतक, सुनीति शतक और शरमाना शतक शामिल हैं। उन्होंने काव्य मूक माटी की भी रचना की है। विभिन्न संस्थानों में यह स्नातकोत्तर के हिन्दी पाठ्यक्रम में पढ़ाया जाता है।आचार्य विद्यासागर जी कई धार्मिक कार्यों में प्रेरणास्रोत रहे हैं।

आचार्य विद्यासागर जी के शिष्य मुनि क्षमासागर जी ने उन पर आत्मान्वेषी नामक जीवनी लिखी है। इस पुस्तक का अंग्रेज़ी अनुवाद भारतीय ज्ञानपीठ द्वारा प्रकाशित हो चुका है।मुनि प्रणम्यसागर जी ने उनके जीवन पर अनासक्त महायोगी नामक काव्य की रचना की कोई बैंक खाता नही कोई ट्रस्ट नही, कोई जेब नहीं, कोई मोह माया नही, अरबो रुपये जिनके ऊपर निछावर होते है उन गुरुदेव के कभी धन को स्पर्श नही किया। आजीवन चीनी, नमक,चटाई का ,हरी सब्जी का त्याग, फल का त्याग, अंग्रेजी औषधि का त्याग,सीमित ग्रास भोजन, सीमित अंजुली जल, 24 घण्टे में एक बार 365 दिन एक करवट में शयन बिना चादर, गद्दे, तकिए के सिर्फ तखत पर किसी भी मौसम में। पुरे भारत में सबसे ज्यादा दीक्षा देने वाले पूरे भारत में एक ऐसे आचार्य जिनका लगभग पूरा परिवार ही संयम के साथ मोक्षमार्ग पर चल रहा है शहर से दूर खुले मैदानों में नदी के किनारो पर या पहाड़ो पर अपनी साधना करना।

प्रचार प्रसार से दूर- मुनि दीक्षाएं, पीछी परिवर्तन इसका उदाहरण,.आचार्य देशभूषण जी महराज जब ब्रह्मचारी व्रत से लिए स्वीकृति नहीं मिली तो गुरुवर ने व्रत के लिए 3 दिवस निर्जला उपवास किआ और स्वीकृति लेकर माने ब्रह्मचारी अवस्था में भी परिवार जनो से चर्चा करने अपने गुरु से स्वीकृति लेते थे और परिजनों को पहले अपने गुरु के पास स्वीकृति लेने भेजते थे।

आचार्य भगवंत जो न केवल मानव समाज के उत्थान के लिए इतने दूर की सोचते है वरन मूक प्राणियों के लिए भी उनके करुण ह्रदय में उतना ही स्थान है ।शरीर का तेज ऐसा जिसके आगे सूरज का तेज भी फिका और कान्ति में चाँद भी फीका है प्रधानमंत्री हो या राष्ट्रपति सभी के पद से अप्रभावित साधना में रत गुरुदेव हजारों गाय की रक्षा, गौशाला समाज ने बनाई हजारो बालिकाओ को संस्कारित आधुनिक स्कूल दी भावपूर्ण विनयांजली उज्जैन कलेक्टर नीरज सिंह एवं पुलिस अधीक्षक प्रदीप शर्म विन्यांजलि स्थल पर पहुंचे एवं उन्होंने प्रस्तुत की कार्यक्रम के अध्यक्षता संपूर्ण जैन समाज उज्जैन समाज सामाजिक संसद के अध्यक्ष अशोक जैन चाय वाले ने की तो कार्यक्रम का संचालन महासचिव सुनील जैन ट्रांसपोर्ट ने किया संपूर्ण जानकारी सचिव एवं मीडिया प्रभारी सचिन कासलीवाल ने दी कार्यक्रम की विशेष रूपरेखा कार्य अध्यक्ष धर्मेंद्र सेठी, प्रसन्न बिलाला, अनुराग जैन, दिनेश जैन सुपर फार्मा, हीरालाल बिलाला, शैलेंद्र शाह, कमल जैन, राहुल जैन एडवोकेट आदि के विशेष भूमिका रही एवं सभी ने अपना उद्बोधन एवं विनियांजलि भी प्रस्तुत की।

ट्रेन संचालन में ट्रेन मैनेजर एक अहम् हिस्सा-श्री अभिनव जेफ

उज्जैन। उपरोक्त बात अभिनव जेफ वरिष्ठ मंडल परिचालन प्रबंधक ने ऑल इंडिया गार्ड्स काउंसिल (ट्रेन मैनेजर) शाखा उज्जैन द्वारा 59वे स्थापना दिवस पर रेलवे स्टेशन परिसर स्थित कम्युनिटी हाल में कार्यक्रम में अपने संबोधन में कहीं। कार्यक्रम का प्रारंभ काउंसिल के ध्वजारोहण से हुआ।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि वरिष्ठ मंडल परिचालन प्रबंधक रतलाम श्री अभिनव जेफ थे। विशेष अतिथि श्री जनम जय कुमार जनरल सेक्रेटरी ए.आई.जी. सी, एस एस शर्मा पूर्व मण्डल अध्यक्ष वे.रे.ए.यू, अभिलाष नागर मंडल मंत्री वेरेमसं, रविन्द्र उपाध्याय शाखा सचिव वे.रे.ए.यू थे। कार्यक्रम के अध्यक्ष के.सी.मिश्रा (से. नि. ट्रेन मैनेजर) थे।

प्रशांत पाठक, प्रेमनारायण, सिध्दार्थ श्रीवास्तव, श्रीमोहन पाराशर, आशुतोष परिहार, मुकेश राठौड़, पवन चौहन, मुकेश बमनावत, एम.एस.सिसोदिया ने अतिथियों का पुष्पहार से स्वागत किया। स्वागत भाषण प्रशांत पाठक ने दिया। इस अवसर सेवानिवृत्त ट्रेन मैनेजर्स को शॉल और श्रीफल देकर सम्मानित किया गया। ए.आई.सजी.सी के क्षेत्रीय अध्यक्ष मंगलचंद जाखड़ को विशिष्ट सम्मान पत्र देकर सम्मानित किया गया। अपने संबोधन में श्री अभिनव जेफ ने कहा कि ट्रेन परिचालन में ट्रेन मैनेजर एक अहम् हिस्सा हैं। सुरक्षित संचालन में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका हैं।

कार्यक्रम के दौरान, सर्व सहमति से शाखा उज्जैन की नवीन कार्यकारिणी का गठन किया गया। एन.के.जांगिड़-अध्यक्ष, पवन चौहान-सचिव, प्रशांत पाठक संगठन मंत्री, रितुराज यादव-कोषाध्यक्ष पद पर सर्वसम्मति मनोनीत किये गये। कार्यक्रम का संचालन एन.के. जांगिड़ और डी.के.शर्मा ने किया।

कार्यक्रम को आशीष श्रीवास्तव आर के माथुर, नितीन पोल, वेदपाल, आई.पी.आर्य, एम.सी.जाखड़, डी.के. शर्मा आदि ने संबोधित किया। इस अवसर पर अनिल जैन, डी आर वाडके, डी के शर्मा, प्रेमकुमार, पी के गुप्ता, सुरजीत सिंह, आर के एस चौहान, रतलाम से सुभाष कांवडे,आर के सतवानी, आर सी मीणा,उपस्थित थे। आभार प्रदर्शन के सी गोयल ने किया। कार्यक्रम का समापन स्नेह भोज से हुआ।

पटवारी भर्ती परीक्षा परिणाम जारी

भोपाल। प्रमुख सचिव राजस्व श्री निकुंज श्रीवास्तव ने बताया है कि कर्मचारी चयन मण्डल द्वारा पटवारी भर्ती परीक्षा-2022 का परिणाम अंतिम रूप से जारी कर दिया गया है। परिणाम कर्मचारी चयन मण्डल की वेबसाइट https://esb.mp.gov.in पर उपलब्ध है। इस परीक्षा के संबंध में चयनित अभ्यर्थियों की काउंसलिंग अभ्यर्थी को आवंटित जिले में 24 फरवरी, 2024 को आयोजित की जायेगी। प्रमुख सचिव ने बताया है कि परीक्षा परिणाम के संबंध में अभ्यर्थियों को पृथक से एसएमएस/ई-मेल/सूचना-पत्र द्वारा भी सूचित किया जा रहा है।

तीसरे कार्यकाल का आत्मविश्वास या भ्रम

(हेमन्त भोपाले)

370 पार, 400 पार, तीसरा कार्यकाल जैसे दावे भाजपा में हर कोई कर रहा है। तीसरे कार्यकाल के सपने देखना शुरू हो गए हैं, मानो इनकी सोच इतनी प्रबल है कि वाकई वह साकार रूप ले लेगी। अभी से भाजपा सरकार ने अपने पक्ष में हवा बनाना शुरू कर दी। बीते दस वर्षों में कुछ निर्णय जरूर ऐसे लिए गए, कुछ काम जरूर ऐसे किए गए जिसकी कल्पना दूर दूर तक नहीं थी, क्योंकि बीते 70 वर्षों से इन सब बातों पर सिर्फ राजनीति देखी गई, मामले लटकते देखे गए, कभी उपसंहार नहीं देखा, जो अब देख लिया। यानी अब इन सब मामलों पर राजनीति समाप्त। भले ही वह काम दादागिरी दिखाकर किए हो।

अगर दादागिरी से दाग धुलते हैं तो दादागिरी भी अच्छी है। यानी अब कोई एक गाल पर चांटा मारे तो हम डर कर दूसरा गाल आगे नहीं कर रहे, अब हम तो सामने वाले के गाल पर तड़ातड़ जमा रहे हैं। इसका सबसे अच्छा उदाहरण धारा 370 और सर्जिकल स्ट्राइक है।

कश्मीर के नेताओं को नजरबंद करके, चप्पे चप्पे पर सेना तैनात करके धारा 370 लागू करना, पाकिस्तान में घुसकर अकल ठिकाने लगाना, रूस-यूक्रेन हमले में भारतीयों को निकालते समय तिरंगे को सुरक्षा कवच बना लेना सहित कई निर्णय है, जिसने सबको प्रभावित किया। इस तरीके के काम हम या हमारा कोई दोस्त करता तो शायद आसपास के सब लोग समझाने लग जाते कि ऐसे जिद्दी बनकर या दादागिरी वाले काम मत कर। लेकिन लगता है अभी कुछ समय और ऐसी जिद और दादागिरी की आवश्यकता है। हाल ही में अयोध्या में राम मंदिर बना। प्राण प्रतिष्ठा भी हुई। देश के करोड़ों लोग इसके साक्षी बने। यहां मैने करोड़ों लोग लिखा, देश के सभी लोग नहीं, क्योंकि सभी लोग साक्षी नहीं बने। आज से हजारों वर्ष पहले देश में जब भी कोई राजा आध्यात्मिक विकास के लिए मंदिर निर्माण या अन्य कोई धार्मिक उत्सव करता था तो पूरी प्रजा मिलकर उत्सव मनाती थी। ऐसा ही इस वर्ष 22 जनवरी को हुआ। राजनीति से जुड़े कुछ लोगों ने इस उत्सव में शामिल होने से इंकार कर दिया। भगवान राम के प्राण प्रतिष्ठा के निमंत्रण को ठुकरा दिया। कारण स्पष्ट है, भक्ति का अभाव। भक्ति भले ही भगवान राम के प्रति न हो, लेकिन भक्ति में जो गुण होता है वह हर किसी को अहंकार, द्वेष, स्वार्थ से परे बनाता है। यदि भक्ति होती तो ये अवगुण नहीं होते। राजनीति में ऐसे अवगुण होना भी नहीं चाहिए। राजनीतिक दलों ने निमंत्रण को ठुकरा कर कई अपने लोगों को भी नाराज कर दिया, जिनकी भगवान राम के प्रति भक्ति अनन्य थी। अहंकार, द्वेष, स्वार्थ की पराकाष्ठा ने भक्ति को क्षीण कर दिया। देश के करोड़ों लोग ऐसे हैं जो भगवान राम की प्राण प्रतिष्ठा के अवसर पर नहीं जा सके, लेकिन भगवान राम के स्वागत में दीये जलाए। आजादी के बाद से कभी भी देश में आध्यात्मिक विकास की ओर ध्यान नहीं दिया। आध्यात्मिक विकास को सदैव हिन्दू से जोड़कर सांप्रदायिक भाव पैदा किए। अहंकार, स्वार्थ, द्वेष, लालच जैसे अवगुणों से दूरी, प्रेम, भक्ति, परोपकार, सभी धर्मों का सम्मान, विवेक का सदुपयोग, बौद्धिक स्तर को बढ़ाना, व्यावहारिक ज्ञान आदि कई बातें हम अपने आध्यात्मिक विकास से ही सीखते हैं, लेकिन आध्यात्म को सिर्फ हिन्दू ज्ञान का अंश बताकर इसके ज्ञान को सीमित कर दिया गया। जबकि ये मानव कल्याण का मार्ग है, न कि किसी एक धर्म विशेष का। इन सबके बीच एक विफलता ऐसी है, जो पिछली सरकार ने शिरोधार्य करके रखी तो मोदी सरकार ने भी इस विफलता का अनुसरण किया और वह है आरक्षण प्रणाली को चलायमान रखना। आज देश में कई शिक्षित, अनुभवी, योग्य, गुणी लोग दूषित आरक्षण के कारण पतन, अवनति का दंश झेलते हैं। यदि वाकई में 56 इंच का सीना है तो देश में आरक्षण, जातिवाद को समाप्त कर योग्यता को शिरोधार्य करना जरूरी हैं।

वर्तमान के वर्धमान आचार्य विद्यासागरजी अनंत यात्रा पर

(विष्णुदत्त शर्मा)

छत्तीसगढ़ के डोंगरगढ़ स्थित चन्द्रगिरी तीर्थ से आध्यात्मिक चेतना के तेजस्वी सूर्य आचार्य विद्यासागर जी महाराज ने अपनी अनंत यात्रा के लिए प्रस्थान कर लिया है। संत के रूप में पूज्यश्री का संपूर्ण जीवन ही दर्शन का सुदर्शन संदर्भ है। जिनके आचरण में ही जीवों के लिए करूणा पल्लवित होती हो, जिनके विचारों में प्राणी मात्र के कल्याण का शुभ संकल्प हो, जिनकी देशना में जन-मन के अंतःकरण की जागृति का संदेश हो, ऐसी दिव्यात्मा की भू-लोक से अनुपस्थिति अनंतकाल तक अंधेरे की उपस्थिति का अनुभव करवाएगी। महाराजश्री के विचार भारतीयता के प्रति अगाध निष्ठा, राष्ट्रभक्ति और कर्तव्यपरायणता से भी ओतप्रोत रहे। इसीलिए, अनंत अवसरों पर अखंड रूप से इस विचार की आवृत्ति होती रही कि आचार्यश्री के विचारों को संकलित करना छोटी-सी अंजुली में सागर को भरने का असंभव प्रयास है।

पूज्यश्री की सहज और प्रवाहमयी उपमाएं जन सामान्य को भी दुर्लभ विषय समझने में सरलता प्रदान करती हैं। सत्संग और सानिध्य के कालखंड में आचार्य श्री ने अनेक अवसरों पर स्पष्ट किया कि जैन धर्म दो शब्दों से बना है-जैन और धर्म। जैन से अभिप्राय जिन के उपासक से है। कर्मातीतीन जयतीति जिनः अर्थात जिसने काम, क्रोध, मोह आदि अपने विकारी भावों को जीत लिया है, वह जिन कहलाता है। जिनस्य उपासकः जैनः- अर्थात् जिन के उपासक को जैन कहते हैं। जो व्यक्ति जिन के द्वारा बताए मार्ग पर चलते हैं और उनकी आज्ञा को मानते हैं, वे जैन कहलाते हैं। ऐसे जैन के धर्म को जैन धर्म कहते हैं। यही जैन धर्म का भी शाब्दिक अर्थ है।

देश के यशस्वी प्रधानमंत्री और दुनिया के सर्वाधिक लोकप्रिय नेता आदरणीय श्री नरेंद्र मोदी जी से भी आचार्यश्री का गहरा जुड़ाव रहा है। वर्ष 2016 में भोपाल की यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री जी ने उनसे भेंट भी की थी। राष्ट्र धर्म और जन सेवा के पवित्र उद्देश्य की व्याख्या करने के लिए 28 जुलाई 2016 को पूज्यश्री ने मध्यप्रदेश विधानसभा में अपना प्रवचन भी दिया और गत वर्ष चंद्रगिरि तीर्थ पर ही आचार्यश्री का आशीर्वाद मा. प्रधानमंत्री जी को प्राप्त हुआ।

संत शिरोमणि 108 आचार्य श्री विद्यासागर महाराज जी का जन्म 10 अक्टूबर 1946 को कर्नाटक के बेलगाम जिले में हुआ। उनका बचपन का नाम विद्याधर था। इसके बाद उन्होंने दीक्षा राजस्थान में ली थी। उल्लेखनीय यह भी है कि महाराजश्री के शिष्य मुनि क्षेमसागर ने उनके ऊपर जीवनी भी लिखी। इसका अंग्रेजी अनुवाद इन द क्वेस्ट ऑफ सेल्फ के रूप में किया गया है। महाराजश्री शास्त्रीय (संस्कृत और प्राकृत) और कई आधुनिक भाषाओं, हिंदी, मराठी और कन्नड़ के विशेषज्ञ थे। वे हिंदी और संस्कृत के एक विपुल लेखक भी रहे हैं। कई शोधकर्ताओं ने स्नातकोत्तर और डॉक्टरेट डिग्री के लिए उनके कार्यों का अध्ययन किया है।

विद्यासागर महाराज को आचार्य पद की दीक्षा आचार्य श्री ज्ञान सागर महाराज ने 22 नवंबर 1972 को अजमेर राजस्थान के नसीराबाद में दी थी। इसके बाद आचार्य श्री ज्ञान सागर महाराज ने आचार्य श्री के मार्गदर्शन में ही 1 जून 1973 को समाधि ली थी। ऐसा पहली बार हुआ था, जब एक गुरु ने पहले शिष्य को दीक्षित किया और फिर उन्हीं के मार्गदर्शन में समाधि ली। दिगंबर मुनि परंपरा के आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज देश के ऐसे अकेले आचार्य थे, जिन्होंने अब तक 505 मुनियों को दीक्षा दी।

जिन उपासना की और उन्मुख आचार्यश्री तो सांसारिक आडंबरो से विरक्त रहे। इस युग के तपस्वियों की परंपरा में आचार्यश्री अग्रगण्य थे। परमात्मा के उपदेशों पर चलने वाले इस पथिक का प्रत्येक क्षण जागरूक व आध्यात्मिकता से भरपूर रहा। उनके विशाल व विराट व्यक्तित्व के अनेक पक्ष थे, तथा सम्पूर्ण भारतवर्ष उनकी कर्मस्थली थी। ज्ञान, करुणा व सद्भावना से परिपूर्ण उनकी शिक्षाएं सदैव समाज और संस्कृति के उत्कर्ष के लिए मार्गदर्शन प्रदान करती रहेंगी। समाधिस्थ आचार्य श्री के चरणों में मेरा कोटिशः नमन।

(लेखक-मध्यप्रदेश भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष एवं खजुराहो से लोकसभा सांसद हैं।)

छत्रपति शिवाजी महाराज की जयंती पर माल्यार्पण किया गया

उज्जैन। छत्रपति शिवाजी महाराज की 394 वीं जयंती के अवसर पर नगर निगम मुख्यालय स्थित छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं पुष्पांजली कार्यक्रम उज्जैन उत्तर विधायक श्री अनिल जैन कालूखेड़ा, महापौर श्री मुकेश टटवाल के मुख्य आतिथ्य में आयोजित हुआ। जिसमें एमआईसी सदस्यों सहित मराठा समाजजन उपस्थित रहे। महापौर श्री मुकेश टटवाल, एमआईसी सदस्यों एवं मराठा समाजजन द्वारा छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया गया एवं छत्रपति शिवाजी महाराज की शौर्यगाथा का स्मरण किया गया। कार्यक्रम में एमआईसी सदस्य श्री शिवेंद्र तिवारी, श्री प्रकाश शर्मा, श्री सत्यनारायण चौहान, पुर्व पार्षद श्रीमती राजश्री जोशी, श्रीमती शेफाली राव सहित मराठा समाज के वरिष्ठ पदाधिकारी एवं समाज जन उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में मंत्रि-परिषद की बैठक सम्पन्न

इंदौर-उज्जैन 4-लेन को 6-लेन मय पेव्हड शोल्डर में विकसित करने 1692 करोड़ रूपये की स्वीकृति

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में मंत्रि-परिषद की बैठक मंत्रालय में हुई। मंत्रि-परिषद द्वारा उज्जैन विक्रमोत्सव व्यापार मेला 2024 में गैर- परिवहन यानों तथा हल्के परिवहन यानों के विक्रय पर जीवनकाल मोटरयान कर की दर में 50 प्रतिशत की छूट का निर्णय लिया गया। निर्णय के अनुसार विक्रीत वाहनों का क्षेत्रीय परिवहन कार्यालय, उज्जैन से स्थाई पंजीयन कराने पर छूट दी जाएगी। उज्जैन के बाहर से आने वाले ऑटोमोबाइल व्यवसायी क्षेत्रीय परिवहन कार्यालय, उज्जैन में व्यवसाय प्रमाण-पत्र प्राप्त करने तथा मेला प्रांगण में अपनी भौतिक उपस्थिति सुनिश्चित करने के बाद वाहन विक्रय कर सकेंगे। मंत्रि-परिषद द्वारा इंदौर-उज्जैन 4-लेन मार्ग को 6-लेन मय पेव्हड शोल्डर में विकसित करने की स्वीकृति दी गई हैं। इसकी लम्बाई 45.475 कि.मी. है। योजना अंतर्गत 1692 करोड़ रूपये लागत से 45.475 कि.मी. के इंदौर-उज्जैन 4-लेन मार्ग को 6-लेन मय पेव्हड शोल्डर में हाईब्रिड एन्यूटी मॉडल (40-60) अंतर्गत निर्माण किया जाना है।

परियोजना में समस्त स्ट्रक्चर्स का 6-लेन में निर्माण के साथ अतिरिक्त 1.10 किलोमीटर लम्बाई में शनि मंदिर एप्रोच रोड को 3-लेन में चौड़ीकरण किया जायेगा। परियोजना में महत्वपूर्ण जंक्शनों को ग्रेडसेपरेटर (वीयूपी और फ्लाईओवर) के साथ निर्माण किया जायेगा। मार्ग के एकरेखण में आने वाले दो फ्लाई ओवर, छः अंडरपास एवं आठ वृहद जंक्शन का निर्माण परियोजना के अंतर्गत किया जायेगा। योजना अंतर्गत आने वाले सभी जंक्शन का सुधार, सड़क सुरक्षा के लिये आवश्यक उपाय, रोड मार्किंग एवं रोड फर्नीचर इत्यादि का कार्य करवाया जायेगा।

लोक सेवा आयोग में दो सदस्यों की नियुक्ति को मंजूरी

मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग में 1 अध्यक्ष एवं 4 सदस्यों सहित कुल 5 पद स्वीकृत हैं और वर्तमान में एक अध्यक्ष एवं दो सदस्य कार्यरत हैं। मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग में सदस्यों के दो रिक्त पद पर चयन समिति की अनुशंसा पर मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग में डॉ. एच.एस. मरकाम, सहायक प्राध्यापक (दंत रोग), मेडिकल कॉलेज, जबलपुर एवं डॉ. नरेन्द्र कुमार कोष्टी, सहायक प्राध्यापक (अर्थशास्त्र), शासकीय महाकौशल कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय, जबलपुर को सदस्य नियुक्त करने का अनुमोदन मंत्रि-परिषद ने किया।

आंवलिया मध्यम सिंचाई परियोजना के लिए 224 करोड़ 46 लाख रूपये की पुनरीक्षित प्रशासकीय स्वीकृति

मंत्रि-परिषद द्वारा खण्डवा जिले की तहसील खालवा के ग्राम रोशनी के समीप घोड़ापछाड़ नदी पर आंवलिया मध्यम सिंचाई परियोजना सिंचित क्षेत्र 6703 हेक्टेयर रबी के लिए 224 करोड़ 46 लाख रूपये कीपुनरीक्षित प्रशासकीय स्वीकृति दी गई है। उल्लेखनीय है कि वर्ष 2017 में उक्त परियोजना अंतर्गत 5 हजार हेक्टेयर सिंचित क्षेत्र के लिये परियोजना लागत 165 करोड़ 8 लाख रूपये की स्वीकृति प्रदान की गई थी। भू-अर्जन के विशेष पैकेज, सिंचित क्षेत्र में 1703 एकड़ की वृद्धि, निर्माण लागत में वृद्धि आदि से लागत में 59 करोड़ 38 लाख रूपये की वृद्धि की गई है। पुनरीक्षित परियोजना के लिये 224 करोड़ 46 लाख रूपये की पुनरीक्षित प्रशासकीय स्वीकृति दी गई हैं।

ग्रामीण क्षेत्रों में अधोसंरचना विकास कार्य के लिए 1500 करोड़ का प्रावधान

ग्रामीण क्षेत्रों में अधोसंरचना विकास कार्य मुख्यमंत्री ग्राम सड़क एवं अधोसंरचना विकास योजना के नये कार्यों को स्वीकृत करने के लिए पूंजीगत मद में 1500 करोड़ रूपये की व्यवस्था वर्ष 2023-24 के लिये की जायेगी। विभाग द्वारा सूचकांक- 1 की अधिकतम सीमा 3 से बढ़ाकर 7 करने के प्रस्ताव का मंत्रि-परिषद ने अनुमोदन दिया।

दो नये विश्वविद्यालय

मंत्रि-परिषद द्वारा मध्यप्रदेश विश्वविद्यालय (द्वितीय संशोधन) विधेयक- 2024 के माध्यम से मध्यप्रदेश विश्वविद्यालय अधिनियम, 1973 में संशोधन की स्वीकृति दी गई हैं। संशोधन अनुसार नए क्रांतिसूर्य टंट्या भील विश्वविद्यालय अंतर्गत खरगोन एवं अन्य जिले तथा नए तात्या टोपे विश्वविद्यालय अंतर्गत गुना, अशोकनगर सहित अन्य जिलों के महाविद्यालयों को शामिल करने का निर्णय लिया गया हैं।

इस संबंध में मध्यप्रदेश विश्वविद्यालय संशोधन विधेयक का अनुमोदन मंत्रि-परिषद द्वारा किया गया।

मप्र में प्रधानमंत्री मोदी के सपनों को करेंगे पूरा-मंत्री सिलावट

भोपाल। जल संसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट और कृषि मंत्री ऐदल सिंह कंषाना ने अपेक्स बैंक सभागार में आयोजित सम्मान समारोह में जल संसाधन विभाग में वर्ष 2023-24 में उत्कृष्ट कार्य करने वाले अभियंताओं को सम्मानित किया। उत्कृष्ट कार्य करने वाले अभियंताओं को प्रशस्ति पत्र और पुरुस्कार राशि प्रदान की गई। कार्यक्रम में अपर मुख्य सचिव डॉ. राजेश राजौरा, सचिव कृष्ण गोपाल तिवारी, एएनसी शिशिर कुशवाह उपस्थित थे। कार्यक्रम में जल संसाधन मंत्री सिलावट ने कहा कि यह सम्मान वास्तव में प्रदेश में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सपनों को पूरा करने के प्रयासों का सम्मान है। प्रदेश के किसानों को सशक्त करने का सम्मान है। प्रदेश से गरीबी और भूख को खत्म करने का सम्मान है। किसानों के आत्म सम्मान को बढ़ाने का सम्मान है। वर्ष 2016 के बाद अब यह सम्मान समारोह आयोजित किया गया है। जल संसाधन विभाग एक परिवार है जो किसानों के लिए काम करता है. उनको सिंचाई के लिए पानी और पेयजल उपलब्ध कराने के लिए लगातार प्रयास कर रहा है। जगह-जगह बांध बनाकर वर्षा के पानी को संरक्षित और संरक्षण कर उसको जन उपयोगी बनाने के लिए कार्य योजना बनाता है।

मंत्री सिलावट ने कहा कि हमारा लक्ष्य प्रदेश में वर्ष 2025 तक कुल 65 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई क्षमता विकसित करना है और वर्ष 2047 तक प्रदेश के संपूर्ण कृषि क्षेत्र में पानी पहुंचाना है। हमने प्रदेश में विगत तीन वर्षों में 5 लाख हेक्टेयर से अधिक नवीन सिंचाई क्षमता विकसित की है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव के नेतृत्व और मार्गदर्शन में आजादी के शताब्दी वर्ष 2047 तक हमें 100 प्रतिशत सिंचाई के लक्ष्य को प्राप्त करना है। विभाग के अधिकारी अपने पूर्व के रिकार्ड तोडे और क्षमता से अधिक काम करते हुए प्रदेश में सर्वाधिक सिंचाई क्षमता विकसित करने को अपना लक्ष्य बनाएं। कार्यक्रम में कृषि मंत्री कंषाना ने अभियंताओं को संबोधित करते हुए कहा कि प्रदेश को 7 वर्षों से लगातार कृषि कर्मण अवार्ड मिल रहा है, इसमें सबसे महत्वपूर्ण योगदान जल संसाधन विभाग का है। कृषि विभाग और किसानों को आप सब पर गर्व है। आप किसानों को फसल के लिए पानी उपलब्ध कराते हैं, जिससे किसानों की आय में वृद्धि होती है। सम्मान समारोह में सम्मिलित होकर मैं स्वयं को गौरवान्वित महसूस कर रहा हूं। समारोह में अभियंता विकास राजोरिया और शुभांकर विश्वास को मोहनपुरा कुंडालियां परियोजना में उत्कृष्ट कार्य के लिए राज्य स्तरीय 1-1 लाख रुपये का पुरुस्कार दिया गया। तवा परियोजना में क्षमता से अधिक क्षेत्र में सिंचाई के लिए मुख्य अभियंता अनिल पिपरे और अधीक्षण यंत्री राजाराम मीना को राज्य स्तरीय 50-50 हजार रुपये का पुरुस्कार मिला। अन्य अभियंताओं को 25-25 हजार रूपये की राशि और प्रशस्ति पत्र प्रदान किए गए। समारोह में जल संसाधन विभाग के कुल 45 अभियंताओं को उत्कृष्ट कार्यों के लिए सम्मानित किया गया।

स्कूलों में सप्ताह में एक दिन 'नो' बैग, दूसरी कक्षा तक नहीं मिलेगा होमवर्क

भोपाल। मध्य प्रदेश के स्कूलों में बच्चों के बैग के वजन को कम करने के लिए लोक शिक्षण संचालनालय (डीपीआई) ने मंगलवार को स्कूल बैग पॉलिसी-2020 को सख्ती से लागू करने दिशा निर्देश जारी किए हैं। इसमें स्कूल को सप्ताह में एक दिन बिना बैग के स्कूल बुलाना होगा। दूसरी कक्षा तक के बच्चों को होम वर्क नहीं दिया जाएगा।

ये दिशा निर्देश सभी सरकारी और निजी स्कूलों पर लागू होंगे। इसके अनुसार पहली और दूसरी कक्षा में बच्चों के बैग के अधिकतम वजन की सीमा 2.2 किलो से ज्यादा नहीं होगी। तीसरी से पांचवी कक्षा तक अधिकतम वजन सीमा ढाई किलो, छठी और सातवीं कक्षा के लिए अधिकतम तीन किलो, छठी और सातवीं कक्षा के लिए अधिकतम तीन किलो, आठवीं कक्षा के लिए चार किलो, 9वीं और 10वीं के लिए साढ़े चार किलो और 11वीं और 12वीं के बैग के वजन की सीमा प्रबंधन समिति तय करेगी। इन दिशा निर्देशों का पालन नहीं होने पर कार्रवाई की जिम्मेदारी जिला शिक्षा अधिकारी की होगी। वे हर तीन माह में स्कूलों में औचक निरीक्षण कर जांच करेंगे। दिशा निर्देशों के उल्लंघन पर कार्रवाई करेंगे।

जारी दिशा निर्देशों के अनुसार स्कूलों को बैग पॉलिसी के निर्देशों को नोटिस बोर्ड पर चस्पा करना होगा। साथ ही अभिभावकों को भी बैग पॉलिसी की जानकारी देना होगी। शाला प्रबंधन समिति को यह पालन करना है कि बच्चों के बैग का वजन नियंत्रित रहे।

होमवर्क के लिए भी समय तय

स्कूल बैग पॉलिसी के अनुसार स्कूल को तीसरी से पांचवीं तक के बच्चों को सप्ताह में सिर्फ दो घंटे, छठी से आठवीं तक के बच्चों को प्रतिदिन एक घंटे और नौवीं से 12 वीं तक विद्यार्थियों को प्रतिदिन सिर्फ दो घंटे का होमवर्क दिया जा सकेगा।

किराना दुकान में लगी भीषण आग, जिंदा जली महिला, बेटा और पति झुलसे

इंदौर। शहर के परदेशीपुरा थाना क्षेत्र में एक किराना दुकान में भीषण आग लग गई। इस हादसे में एक महिला की जिंदा जलने से मौत हो गई, जबकि उसका बेटा और पति भी गंभीर रूप से झुलस गए।

सूचना मिलने पर पुलिस और दमकल की गाड़ियां मौके पर पहुंची और कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। पुलिस ने घायलों को अस्पताल पहुंचाया है। वहीं, मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर मामले की जांच शुरू कर दी है।

पुलिस के अनुसार, शहर के परदेशीपुरा इलाके की क्लर्क कालोनी निवासी व्यापारी जितेंद्र गोयल अपने तीन मंजिला मकान के ग्राउंड फ्लोर पर मांगीलाल ब्रदर्स नाम से किराना दुकान चलाते थे, जबकि उनका परिवार पहली मंजिल पर निवास करता है। मंगलवार सुबह शार्ट सर्किट से उनकी दुकान में आग लग गई। आग इतनी भीषण थी कि व्यापारी जितेंद्र गोयल उनकी पत्नी अनिता और 18 वर्षीय बेटा मयंक उसमें घिर गए और बुरी तरह झुलस गए। फायरब्रिगेडकर्मियों ने आग से घिरे परिवार को निकाला और सभी को अस्पताल में भर्ती कराया, जहां चिकित्सकों ने महिला की मृत घोषित कर दिया गया। बताया गया है कि महिला लकवाग्रस्त होने के कारण बाहर नहीं आ सकी, जिसके चलते वह 60 फीसदी जल गई थी।

मकान की दूसरी और तीसरी मंजिल पर भी कुछ परिवार किराये से रहते हैं, जो आग लगने के बाद वहां फंस गए थे और वह मदद के लिए जोर-जोर से चिल्ला रहे थे। क्षेत्रीय रहवासियों ने फायर ब्रिगेड के पहुंचने के पहले ही कुछ लोगों को तत्परतापूर्वक नीचे उतार लिया था। व्यापारी का परिवार जहां फंसा था, वहां धुआं भर गया था। महिला लकवाग्रस्त होने के कारण भाग नहीं पाई और उसका दम घुटने लगा, जिससे उसकी मौत हो गई। वहीं, जितेंद्र और बेटे मयंक का सीएचएल अस्पताल में उपचार जारी है। फिलहाल उनकी हालत खतरे से बाहर बताई जा रही है। जानकारी मिलते ही विधायक रमेश मेंदोला भी मौके पर पहुंच गए थे। उन्होंने परिवार को ढांढस बंधाया और घटना की जानकारी ली।

भिक्षावृत्ति में लगे बच्चों की जानकारी देने वाले नागरिकों को मिलेगा नगद इनाम

इंदौर। इंदौर को बाल भिक्षुकों से पूरी तरह मुक्त करने के लिए अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान को और अधिक प्रभावी और गति देने के लिए कलेक्टर आशीष सिंह द्वारा महत्वपूर्ण निर्णय लिये गये हैं।

निर्णय लिया गया है कि इंदौर में भिक्षा वृत्ति में लगे बच्चों की जानकारी देने वाले नागरिकों को नगद इनाम दिया जायेगा। बाल भिक्षा वृत्ति में लिप्त बच्चों की सूचना देने के लिए व्हाट्सएप नंबर 9691729017 जारी किया गया है। बाल भिक्षा वृत्ति की चौराहों पर निगरानी सीसीटीवी कैमरा के माध्यम से भी की जाएगी। कलेक्टर आशीष सिंह की अध्यक्षता में यहां कलेक्टर कार्यालय में टीएल बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में जिला पंचायत सीईओ सिद्धार्थ जैन, अपर कलेक्टर गौरव बैनल, रोशन राय तथा राजेंद्र रघुवंशी सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे। बैठक में बताया गया कि जारी किये जाने वाले व्हाट्सएप नम्बर के माध्यम से कोई भी नागरिक फोटो और लोकेशन सहित बाल भिक्षावृत्ति की जानकारी दे सकते हैं। जानकारी सही पाए जाने पर संबंधित नागरिक को एक हजार रुपये का इनाम भी दिया जाएगा। साथ ही एक से अधिक बार प्रमाणिक सूचना देने वाले नागरिकों को अलग से भी सम्मानित किया जाएगा। सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से चौराहों पर बाल भिक्षा वृत्ति पर निगरानी रखी जाएगी। बताया गया कि इसके लिए एआईसीटीएसएल और पुलिस कंट्रोल रूम में महिला एवं बाल विकास विभाग के कर्मचारी बैठकर निगरानी रखेंगे। बाल भिक्षा वृत्ति दिखाई देने पर रेस्क्यू दल को उनके द्वारा सूचना दी जाएगी। दल तुरंत मौके पर पहुंचकर रेस्क्यू का कार्य करेंगे। दोषियों के विरूद्ध सख्त कार्यवाही की जाएगी। बताया गया कि अभी तक बच्चों से भिक्षा वृत्ति कराने पर तीन दोषियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई गई है।

इंदौर रेलवे स्टेशन का होगा कायाकल्प, भूमिपूजन में प्रधानमंत्री वर्चुअली जुड़ेंगे

इंदौर। इंदौर रेलवे स्टेशन का आगामी 50 सालों की जरूरतों के हिसाब से कायाकल्प होगा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी इंदौर को नए और आधुनिक रेलवे स्टेशन की सौगात देंगे। नए स्टेशन का भूमिपूजन 26 फरवरी को सुबह 10.45 बजे होगा, जिसमें प्रधानमंत्री मोदी वर्चुअली जुड़ेंगे। यह जानकारी इंदौर सांसद शंकर लालवानी ने दी।

उन्होंने बताया कि इंदौर स्टेशन से मेट्रो स्टेशन को जोड़ा जाएगा। इसके साथ ही पार्क रोड स्टेशन का विकास भी किया जाएगा। यह स्टेशन इंदौर की आने वाली 50 साल की जरुरतों को ध्यान में रखकर बनाया जा रहा है। प्लेटफार्म को आधुनिक बनाया जाएगा। रेलवे ट्रेक की संख्या भी बढ़ाई जा सकती है।

सांसद लालवानी ने बताया कि इंदौर तेजी से बढ़ता हुआ शहर है, जहां पूरे देश से व्यक्ति पहुंचता है। ऐसे में रेलवे स्टेशन को यात्रियों की बढ़ती हुई संख्या के हिसाब से सुविधाएं दी जाएगी। इंदौर रेलवे स्टेशन को एयरपोर्ट की तर्ज पर विकसित करने के लिए मास्टर प्लान बनाया गया है। इस अत्याधुनिक स्टेशन पर भव्य प्रवेश द्वार, रुफ प्लाजा, आधुनिक लाउंज, अतिरिक्त प्रवेश द्वार, प्लेटफॉर्म कवर शेड, स्टेशन क्षेत्र की जल निकासी की व्यवस्था, वाई-फाई आदि सुविधाएं यहां उपलब्ध होगी। इसके अलावा बड़ी पार्किंग भी रहेगी। पार्क रोड स्टेशन को भी विकसित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि इसी साल निर्माण के काम शुरू होंगे और तीन साल में उसे पूरा किया जाएगा। सिंहस्थ के समय इस स्टेशन की काफी उपयोगिता रहेगी। स्टेशन के लिए आसपास की जमीनों को भी लिया जाएगा। स्टेशन का एलिवेशन राजवाड़ा की थीम पर होगा। इसकी भी डिजाइन तैयार हो रही है। तीन सौ करोड़ रुपये से अधिक की राशि इस प्रोजेक्ट पर खर्च होगी।

रोजगार-स्वरोजगार मेला मंगलवार को, 900 से अधिक दिव्यांग होंगे लाभान्वित

इंदौर। विश्व सामाजिक न्याय दिवस मंगलवार, 20 फरवरी को मनाया जायेगा। इस अवसर पर कलेक्टर आशीष सिंह की पहल पर जिले के दिव्यांगजनों के लिए रोजगार/स्वरोजगार मेला आयोजित किया जा रहा है। इस मेले में 900 से अधिक दिव्यांग युवाओं को नौकरी/स्वरोजगार/प्रशिक्षण दिया जाएगा। दिव्यांग युवाओं से आग्रह किया गया है कि वे इस मेले का लाभ जरूर लें। यह मेला ग्रामीण हाट बाजार ढक्कनवाला कुआँ इंदौर में प्रातः 09 बजे से शाम 05 बजे तक आयोजित किया जाएगा। मेले में निजी क्षेत्र की प्रतिष्ठित कंपनियों के प्रतिनिधि मौजूद रहकर युवाओं को नौकरी देंगे। साथ ही शासकीय विभाग के अधिकारी दिव्यांगजनों को व्यापार, सेवा, उद्योग क्षेत्र के लिए लोन भी उपलब्ध कराएंगे। मेले के लिए व्यापक तैयारियां की गई है। मेले में हेल्प डेस्क, कंपनियों के स्टॉल आदि रहेंगे। कलेक्टर आशीष सिंह ने सोमवार को मेला स्थल पर पहुंचकर तैयारियों का जायजा लिया। इस अवसर पर मेले से जुड़े सभी अधिकारी तथा कंपनियों के प्रतिनिधि मौजूद थे। कलेक्टर ने निर्देश दिये कि मेले में दिव्यांगों को किसी भी तरह की दिक्कत नहीं हो ऐसी व्यवस्था की जाये।

बताया गया कि दिव्यांगजनों को नौकरी देने के लिए बड़ी संख्या में प्रायवेट कम्पनियां आगे आयी हैं। दिव्यांगजनों को नौकरी देने के लिए 40 कंपनियों/होटलों/संस्थानों ने अपनी सहमति प्रदान की है। साथ ही 5 ट्रेनिंग संस्थानों ने 100 दिव्यांग युवाओं रोजगारमूलक ट्रेनिंग देने का लक्ष्य रखा है। इसके अलावा 60 दिव्यांगों को व्यापार/सेवा/उद्योग क्षेत्र के लिए लोन भी उपलब्ध कराया जायेगा। मेले में नौकरी देने के लिए होटल लेमन ट्री, होटल शेरेटन ग्रैंड, होटल मैरियट, होटल सयाजी, होटल प्रेसिडेंट, होटल श्रीमाया ने प्रमुख रूप से अपनी सहमति दी है। इसी तरह निजी क्षेत्र के प्रतिष्ठित टेली परफॉर्मेंस, लाइफ स्टाइल प्राइवेट लिमिटेड, मैक्स रिटेल प्राइवेट लिमिटेड, केमको च्यू फूड्स, राज वर्क इंडस्ट्रीज, विजयश्री पैकेजिंग, वन पाईंट वन टीम, टीम एचआर, आइसीआइसीआइ डायरेक्ट, सक्सेस पॉइंट, एमजीसीआई इंस्टीट्यूट, अथर्व पैकेजिंग, ब्यूटी मार्ट, ईवा वॉटर प्यूरीफायर, शादी ब्याह डॉट कॉम, रिलायंस स्मार्ट बाजार, फेवरेट फूड्स प्राइवेट लिमिटेड, समृद्धि एसोसिएट्स, क्रोमा, चॉइस ब्रोकिंग प्राइवेट लिमिटेड, प्रतिभा सिंटेक्स, आशा कन्फेक्शनरी, विशाल फेब, इंटालियन इडिबल, आशादीप सेवा प्रकल्प ट्रस्ट, विशाल मेगा मार्ट, थिंकिंग बींस प्राइवेट लिमिटेड, यस कंप्यूटेक, मैक्सियस टेक्नोलॉजी के प्रतिनिधि भी मेले में उपस्थित रहकर दिव्यांगो को उनकी कार्य-कुशलता एवं शैक्षणिक योग्यता को दृष्टिगत रखते हुए नौकरी देंगे। इसी के साथ ऐसे दिव्यांगजन जिन्हें स्वरोजगार की आवश्यकता है उन्हें विभिन्न विभागों के अंतर्गत स्वरोजगार के लिए संचालित योजनाओं का लाभ दिलाये जाने हेतु चिन्हांकित किया जायेगा।

दुनिया बोल रही, आयेगा तो मोदी ही

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के कार्यकर्ताओं से अगले 100 दिनों तक नये जोश और आत्मविश्वास के साथ काम करने तथा नये मतदाताओं तक पहुंचने एवं उनका विश्वास जीतने का आह्वान किया ताकि लोकसभा चुनावों में मजबूत जनादेश के साथ पार्टी तीसरी बार भी सत्ता में आए। मोदी ने यहां भाजपा के राष्ट्रीय अधिवेशन के समापन सत्र को संबोधित करते हुए यह भी कहा कि देश को अब बड़े सपने देखने होंगे और 2047 तक भारत को विकसित देश बनाने के लिए बड़े संकल्प लेने होंगे। उन्होंने कहा, ''इसमें अगले पांच वर्षों की बहुत बड़ी भूमिका होने जा रही है।

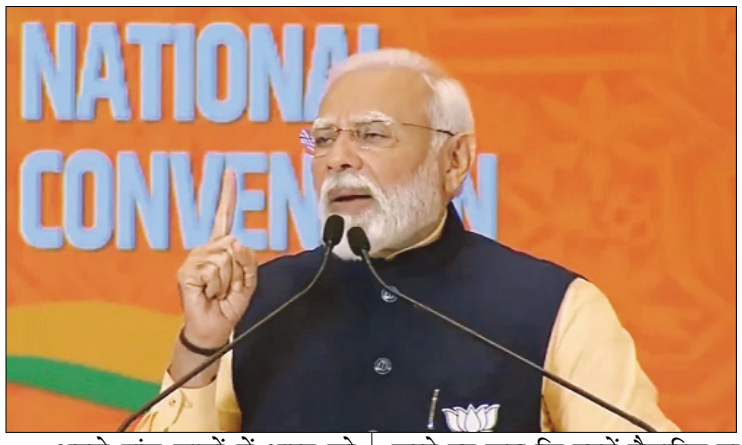

अगले पांच सालों में भारत को पहले से भी कई गुना तेजी से काम करना है। अगले पांच सालों में हमें विकसित भारत की तरफ एक लंबी छलांग लगानी है। इन सारे लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए पहली शर्त है सरकार में भाजपा की जोरदार वापसी।'' भाजपा के दो-दिवसीय राष्ट्रीय अधिवेशन में देश भर से पार्टी के लगभग 10,000 सदस्यों ने भाग लिया। भारत मंडपम में अपने 65 मिनट के भाषण में मोदी ने विपक्ष, खासकर कांग्रेस की आलोचना करते हुए कहा कि उनमें वैचारिक या सिद्धांतों के आधार पर भाजपा का सामना करने का साहस नहीं है। उन्होंने कहा, ''वह (कांग्रेस) इतनी हताश है कि उसमें सैद्धांतिक या वैचारिक विरोध का साहस भी नहीं बचा है।

इसलिए गाली-गलौज और मोदी पर झूठे आरोप ही उनका एकमात्र एजेंडा बन गया है।'' प्रधानमंत्री ने कहा कि भाजपा को सिर्फ सरकार बनाने के लिए लोगों को नहीं जोड़ना है, बल्कि देश बनाने के लिए लोगों को जोड़ना है। मोदी ने कहा कि हर भारतीय के जीवन को बदलने और बहुत कुछ हासिल करने के लिए बहुत से निर्णय अभी बाकी हैं। उन्होंने कहा, ''पिछले 10 वर्षों में भारत ने जो गति हासिल की है और बड़े लक्ष्य प्राप्त करने का जो हौसला पाया है...वह अभूतपूर्व है। इसलिए नहीं कि मैं कह रहा हूं। आज दुनिया गाजे-बाजे के साथ बोल रही है।'' उन्होंने कहा कि भारत ने आज हर क्षेत्र में जो ऊंचाई हासिल की है, उसने हर देशवासी को एक बड़े संकल्प के साथ जोड़ दिया है और यह संकल्प है 'विकसित भारत' का। उन्होंने कहा, ''अब देश छोटे सपने नहीं देख सकता है और ना ही देश अब छोटे संकल्प ले सकता है। सपने भी विराट होंगे और संकल्प भी विराट होंगे। हमारा सपना भी है और हम सब का संकल्प भी है कि हमें भारत को विकसित बनाना है।''

प्रधानमंत्री ने कहा कि आज विपक्ष के नेता भी 'अगली बार मोदी सरकार' बोल रहे हैं और 'अगली बार राजग (राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन) सरकार, 400 पार' के नारे लगा रहे हैं। उन्होंने कहा, ''राजग को 400 पार करने के लिए भाजपा को 370 के मील का पत्थर पार करना ही होगा।''

केला उत्सव 20 फरवरी से

बुरहानपुर। मध्यप्रदेश के बुरहानपुर जिले में अनूठा दो दिवसीय केला उत्सव मनाया जा रहा है। बुरहानपुर जिला प्रशासन के सहयोग से 20 एवं 21 फरवरी को देश के प्रसिद्ध केला वैज्ञानिक और केला उत्पादक किसान केला उत्पादन, निर्यात की संभावनाओं, केला उत्पादकों की आर्थिक समृद्धि एवं से जुड़े विषयों पर विचार-विमर्श होगा। केले की विभिन्न प्रजातियों की प्रदर्शनी मुख्य आकर्षण होगी।

किसान 'आंदोलन' खनौरी बॉर्डर पर मंजीत सिंह की मौत

खनौरी बॉर्डर। न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) को कानून बनाए जाने समेत तमाम अन्य मुद्दों को लेकर किसान संगठनों का आंदोलन जारी है। दिल्ली की ओर बढ़ने की कोशिश कर रहे हजारों की संख्या में किसानों का हरियाणा और पंजाब की सीमा पर पुलिस से जबरदस्त आमना-सामना हो रहा है। इस बीच, रविवार को आंदोलन कर रहे खनौरी बॉर्डर पर एक और किसान की मौत हो गई।

भारतीय किसान यूनियन क्रांतिकारी से जुड़े किसान मंजीत सिंह कांगथला गांव के रहने वाले थे और किसान आंदोलन में हिस्सा ले रहे थे। इसी दौरान उनकी मौत हो गई। 65 साल के ज्ञान सिंह को हार्ट अटैक आया था, जिसके बाद उन्हें अस्पताल में भर्ती करवाया गया, लेकिन उनकी जान नहीं बचाई जा सकी थी। वह गुरदासपुर जिले के रहने वाले थे।

हजारों किसान अपनी विभिन्न मांगों को लेकर पंजाब और हरियाणा की सीमा पर शंभू और खनौरी में डटे हुए हैं तथा किसानों के दिल्ली चलो मार्च को राष्ट्रीय राजधानी में प्रवेश से रोकने के लिए बड़ी संख्या में सुरक्षा बल तैनात हैं। एमएसपी के लिए कानूनी गारंटी के अलावा, किसान कृषकों के कल्याण के लिए स्वामीनाथन आयोग की सिफारिशों को लागू करने, किसानों और खेत मजदूरों के लिए पेंशन तथा कर्ज माफी, लखीमपुर खीरी हिंसा के पीड़ितों के लिए न्याय, भूमि अधिग्रहण अधिनियम 2013 को बहाल करने और पिछले आंदोलन के दौरान मारे गए किसानों के परिवारों को मुआवजा देने की भी मांग कर रहे हैं।

उधर, केंद्रीय मंत्रियों और किसान नेताओं के बीच रविवार शाम को चंडीगढ़ में चौथे दौर की बातचीत शुरू हो गई है। किसान उपज के न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) के लिए कानूनी गारंटी समेत अन्य मांगों को लेकर प्रदर्शन कर रहे हैं। केंद्रीय कृषि मंत्री अर्जुन मुंडा, वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल और केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय किसान नेताओं के साथ बैठक के लिए सेक्टर-26 स्थित महात्मा गांधी राज्य लोक प्रशासन संस्थान पहुंचे। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान भी बैठक में शामिल हुए हैं। केंद्रीय मंत्रियों और किसान नेताओं के बीच इससे पहले आठ, 12 और 15 फरवरी को मुलाकात हुई लेकिन बातचीत बेनतीजा रही थी।

किसानों ने सरकार से न्यूनतम समर्थन मूल्य पर कानूनी गारंटी प्रदान करने के लिए एक अध्यादेश की मांग की है। इस मांग को लेकर बीते छह दिनों से किसानों का प्रोटेस्ट जारी है।

किसानों के विरोध प्रदर्शन के छठे दिन आज किसानों और सरकार के बीच चौथे दौर की बातचीत चल रही है। बैठक में केंद्रीय मंत्री नित्यानंद राय, पीयूष गोयल और अर्जुन मुंडा शामिल हैं। केंद्रीय मंत्रियों के अलावा पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान भी बैठक में हिस्सा लेने के लिए पहुंचे। इस बैठक से पहले किसानों ने सरकार से न्यूनतम समर्थन मूल्य पर कानूनी गारंटी प्रदान करने के लिए एक अध्यादेश की मांग की है। भारतीय किसान यूनियन (बीकेयू) नेता राकेश टिकैत ने शनिवार को घोषणा की कि किसान एमएसपी को कानूनी गारंटी सहित अपनी मांगों को लेकर 21 फरवरी को उत्तर प्रदेश, हरियाणा, पंजाब और उत्तराखंड में धरना देंगे।

किसान नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल ने केंद्रीय मंत्रियों के साथ रविवार को बातचीत से पहले कहा कि केन्द्र सरकार को टाल-मटोल की नीति नहीं अपनानी चाहिए और आचार संहिता लागू होने से पहले किसानों की मांगें माननी चाहिए। लोकसभा चुनाव की घोषणा अगले माह की जा सकती है। फसलों के लिए एमएसपी की कानूनी गारंटी और कृषि ऋण माफी सहित विभिन्न मांगों पर तीन केंद्रीय मंत्रियों और किसान नेताओं के बीच शाम को बैठक होनी है। यह बैठक ऐसे वक्त में होनी है, जब हजारों किसान अपनी विभिन्न मांगों को लेकर पंजाब और हरियाणा की सीमा पर शंभू और खनौरी में डटे हुए हैं तथा उन्हें राष्ट्रीय राजधानी में प्रवेश से रोकने के लिए बड़ी तादाद में सुरक्षा बल तैनात हैं। किसान नेताओं और तीन केंद्रीय मंत्रियों के बीच इससे पहले आठ, 12 और 15 फरवरी को भी बातचीत हुई थी, जो बेनतीजा रही। डल्लेवाल ने शंभू सीमा पर संवावदाताओं से कहा, हम सरकार से कहना चाहते हैं कि वह टाल-मटोल की नीति न अपनाये।

डल्लेवाल ने कहा कि अगर सरकार को लगता है कि वह आचार संहिता लागू होने तक बैठकें जारी रखेगी और फिर कहेगी कि आचार संहिता लागू हो गई है और हम कुछ नहीं कर सकते (फिर भी) किसान वापस नहीं लौटेंगे। उन्होंने कहा, सरकार को आचार संहिता लागू होने से पहले हमारी मांगों का समाधान तलाशना चाहिए। उन्होंने कहा कि दोनों पक्षों के बीच शाम साढ़े पांच बजे बैठक शुरू होगी।

किसान नेता ने कहा कि आंदोलन किसी राजनीतिक दल द्वारा प्रायोजित नहीं है, साथ ही उन्होंने फसलों के लिए एमएसपी की कानूनी गारंटी देने के लिए अध्यादेश लाने, स्वामीनाथन आयोग की सिफारिशों को लागू करने की अपनी मांग दोहराई। एक अन्य किसान नेता सुरजीत सिंह फूल ने केंद्र पर हिरासत में लिये गए किसानों को रिहा करने और पंजाब के कुछ क्षेत्रों में इंटरनेट सेवाओं तथा किसान नेताओं के सोशल मीडिया खातों को बहाल करने के अपने आश्वासन को पूरा नहीं करने का आरोप लगाया।

खेलों के विकास एवं विस्तार में हर सम्भव सहयोग रहेगा-एस.पी. प्रदीप शर्मा

उज्जैन। नवागत पुलिस अधीक्षक, जिला खेल प्रमुख प्रदीप शर्मा से खेल पदाधिकारियों ने भेंट कर उज्जैन की विभिन्न खेल गतिविधियों की जानकारी प्रदान कर खेल अभिनंदन किया।

राज्य शरीर सौष्ठव संस्था, मध्य प्रदेश के चेयर मेन प्रेमसिंह यादव, पूर्व मिस्टर इंडिया, एम. पी. बॉडी बिल्डिंग एसोसिएशन के राज्य अध्यक्ष जितेंद्र सिंह कुशवाह, उज्जैन जिला ओलंपिक एसोसिएशन के सचिव शैलेंद्र व्यास के साथ खेल चर्चा में एस.पी. प्रदीप शर्मा ने उज्जैन के बेहतर विकास में सहयोग हेतु आश्वस्त किया। शीघ्र ही खिलाड़ियों एवं खेल मैदानों की और रुख करेंगे। इस अवसर पर पुष्प गुच्छ एवं स्मृति चिन्ह प्रदान कर अभिनंदन किया।

महिलाओं की क्रिकेट प्रतियोगिता, 4 टीमों के बीच हुआ मुकाबला

उज्जैन। अग्रवाल समाज के नवजागृति मंच द्वारा पहली बार महिलाओं की क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें 4 टीमों के बीच मुकाबला हुआ। प्रतियोगिता में 3 मैच खेले गए, तथा अंतिम फाईनल मुकाबले में विजेता टीम को नगद पुरस्कार एवं ट्राफी देकर सम्मानित किया गया।

आयोजक सरोज अग्रवाल, तृप्ति मित्तल ने बताया कि अंकपात मार्ग स्थित गयाकोटा पर आयोजित क्रिकेट प्रतियोगिता में श्रध्दा गर्ग, पूजा मोदी, सोनिया मित्तल, नीता अग्रवाल, सोनाली अग्रवाल, आयुषी गर्ग, नमिता गर्ग, किरण मित्तल, शैलजा बैराठी की टीम विजेता रही। महिलाओं की इस क्रिकेट प्रतियोगिता में समाज की महिलाओं ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया। इस दौरान अनिता गोयल, हेमलता गुप्ता, ज्योति अग्रवाल, सुचिता मित्तल, दर्शना मित्तल, सुनीता अग्रवाल, वीणा अग्रवाल, दिव्या गर्ग, प्रियंका अग्रवाल, मधु गर्ग, उषा गोयल, नीलम मित्तल, आरती गर्ग, कविता मित्तल, निकिता गर्ग, शारदा गर्ग, चंचल मित्तल, अनीता पोद्दार, संगीता अग्रवाल, उषा गोयल, मनीष अग्रवाल आदि मौजूद थे।

20 फरवरी को विदेशी भाई-बहनों द्वारा दी जाएगी भारतीय गायन-वादन-नृत्य की प्रस्तुति

उज्जैन। शहर के पं.सूर्यनारायण व्यास संकुल हाल,कालिदास अकादेमी परिसर में 20 फरवरी की संध्या 6 से 8 बजे तक विदेश से आए सहजयोगी कलाकारों द्वारा भारत के सहयोगी कलाकारों के साथ भारतीय गायन-वादन-नृत्य की प्रस्तुति दी जाएगी।

इसके माध्यम से सहजयोग ध्यान पद्धति से अवगत करवाया जाएगा। उपस्थित शहरवासियों को निःशुल्क आत्मसाक्षात्कार भी दिया जाएगा।

यह जानकारी सहजयोग,उज्जैन के नगर समन्वयक सुधीर धारीवाल ने दी। उन्होने बताया कि सहजयोग प्रणेता परम् पूज्य श्रीमाताजी निर्मला देवी द्वारा प्रणीत सहजयोग के प्रचार-प्रसार एवं आत्मसाक्षात्कार देने हेतु देशभर में माताजी के 101 वे जन्मशताब्दी वर्ष अवसर पर योगधारा का आयोजन उक्त कलाकारों द्वारा किया जा रहा है। इसी के तहत उज्जैन में 20 फरवरी की संध्या 6 से 8 बजे तक पं.सूर्यनारायण संकुल में आयोजन होने जा रहा है। इस आयोजन में विदेश एवं देश के कलाकारों द्वारा प्रस्तुतियां दी जाएगी और ध्यान करवाया जाएगा।

प्रस्तुति देनेवाले कलाकारों के नाम इसप्रकार है-हंगरी निवासी डेनियल ग्योजो, फ्रांस निवासी मैरी फ्रेंनसाइन, आस्ट्रिया निवसी वेरा एम्बा एवं इवगेइना, रशिया निवासी ऐना रोनिजर तथा यूक्रेन निवासी ओलिना। भारत के सहजी कलाकार अक्षय पंवार, शैफाली, डॉ. प्रियंका, शुभम सोनी,चैतन्य ओसवाल, नन्हे, किशन, डॉ. विजय मालवीय, आगम गुप्ता और रमेश राव। इनके द्वारा भारतीय देवी-देवताओं के भजनों की शास्त्रीय संगीत के साथ प्रस्तुति दी जाएगी वहीं सांस्कृतिक प्रस्तुतियां भी होंगी। वाद्य यंत्र भी भारतीय होंगे,जैसे-तबला, ढोलक, हारमोनियम आदि।

श्री धारीवाल ने बताया कि आयोजन को लेकर शहरभर में सहजयोगियों द्वारा घर-घर जाकर सम्पर्क किया जा रहा है और कार्यक्रम में आमंत्रित किया जा रहा है।

उन्होंने शहरवासियों से अपील की कि वे कार्यक्रम में आएं और आत्मसाक्षात्कार प्राप्त कर सहजयोग ध्यान पद्धति से जुड़ें। ताकि दैनिक जीवन में आने वाले तनाव, व्याधि आदि से मुक्त हो सकें और आध्यात्मिक उन्नति के मार्ग पर आगे बढ़ सकें।

इस आयोजन के पश्चात मुख्य ध्यान केंद्र,परम पूज्य श्रीमाताजी निर्मलादेवी मार्ग, 140, सेठी नगर, उज्जैन पर फालोअप शिविर लगेगा। इस शिविर में भी जरूर से शामिल हों।

नृसिंहदास जी बने महंत

उज्जैन। हरसिद्धी की पाल स्थित प्राचीन श्री व्यंकटेश बालाजी मंदिर के संत नृसिंहदास जी को सोमवार को उज्जैन के समस्त अखाड़ों के महंत व संतों ने चादर-कंठी विधि कर महंत का पद प्रदान किया है।

इस अवसर पर उज्जैन के समस्त संतो का स्वागत सत्कार व भंडारा भी आयोजित किया गया। निर्मोही अखाड़े से जुड़े महंत श्री भगवानदास जी महाराज ने व्यंकटेश बालाजी मंदिर के संत नृसिंहदास जी को अपने शिष्य के रूप में स्वीकार कर उन्हें महंत पद पर सुशोभित करने की स्वीकृति प्रदान की। इसके पश्चात 13 अखाड़ो के महंत व उज्जैन के अन्य आश्रमों के महंत व संतो द्वारा संत नृसिंहदास जी को चादर ओढ़ाकर कंठीमाला प्रदान की।

इस अवसर पर प्रमुख रूप से रामादल अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष महंत डा. रामेश्वरदास महाराज, महंत श्री दिग्विजय दास जी महाराज निर्वाणी अखाड़ा, महंत श्री रामसेवक दास जी निर्मोही अखाड़ा, महंत श्री महेशदास जी निर्मोही अखाड़ा, महंत श्री सेवानंदगिरी जी आवाहन अखाडा, महंत श्री विश्वात्मानंद जी बड़ा उदासीन अखाड़ा, महंत श्री कृष्णानंद जी अग्नि अखाड़ा, महंत श्री विद्याभारती जी जूना अखाड़ा, महंत श्री राघवानंद जी अग्नि अखाड़ा, महंत श्री बलरामदास जी शीतलामाता गौ-शाला, महंत श्री प्रेमगिरी जी अटल अखाड़ा, महंत श्री विशालदास जी महाराज, महंत श्री हरिहरदास जी रसिक, महंत श्री दिग्विजयदास जी बड़ा श्रीराम मंदिर सहित अन्य संत व महंत उपस्थित थे।

फूलों की होली खेली

उज्जैन। नानाखेड़ा स्थित सांवरिया परिषर में हनुमान मंदिर पर महिलाओं ने फाग उत्सव मनाया। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाकालेश्वर शयन आरती भक्त मंडल की अध्यक्ष दुर्गा यादव ने की। पिंकी गोयल ने बताया कि फूलों की होली खेली, ढोलक की थाप पर नृत्य कर एक दूसरे को मिठाई खिलाकर, गुलाल लगाकर गले मिलकर फाग उत्सव मनाया। फाग उत्सव में भगवान कृष्ण राधा और बाबा महाकाल के भजन गाए। इस अवसर पर स्वाति कुशवाह, पिंकी यादव, रेखा चंदेल, संतोष ठाकुर, अर्पिता सक्सेना, बबली मिश्रा, किरण राय, राजेश्वरी मीणा, उर्मिला बघेल, पुष्पा चौहान, रेखा चावला, शिवानी यादव आदि उपस्थित रही।

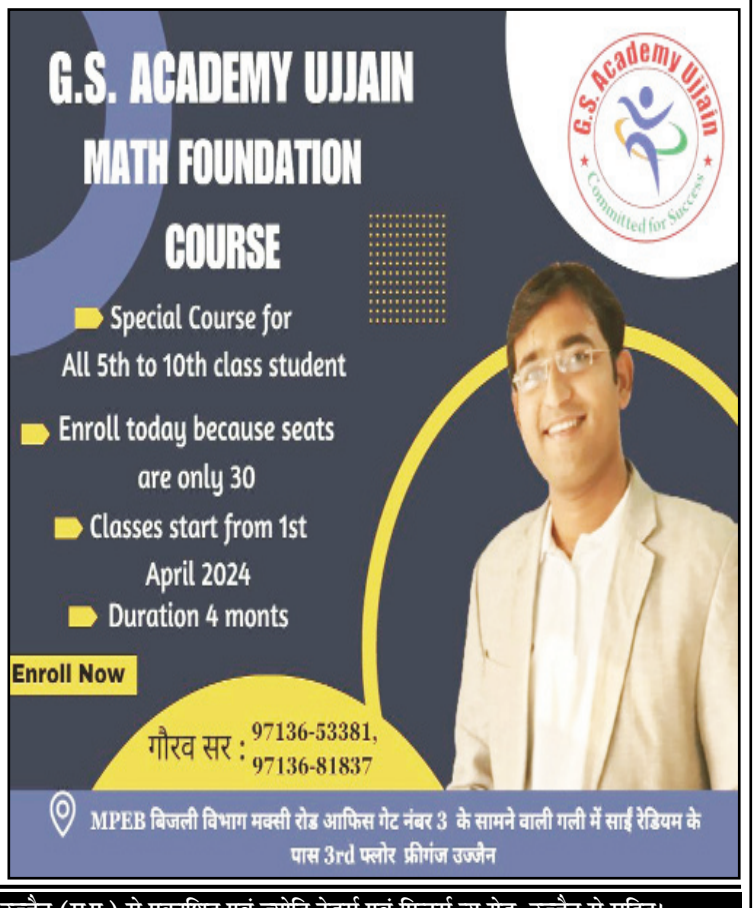

स्वताधिकारी/प्रकाशक मनमोहन शर्मा के लिये साप्ताहिक उज्जैन टाइम्स 110, तिरुपति एवेन्यू, होटल नत्रक्ष के पीछे, पंचक्रोशी मार्ग, उज्जैन (म.प्र.) से प्रकाशित एवं ज्योति ट्रेडर्स एवं प्रिन्टर्स न्यू रोड़, उज्जैन से मुद्रित।
● प्रधान सम्पादक : मनमोहन शर्मा मोबा. 9827233734 manmohan680@gmail.com (सभी वाद-विवादों का न्याय क्षेत्र उज्जैन रहेगा)। (म.प्र. शासन से 01-04-1997 से समाचार पत्र विज्ञापनों हेतु अनुमोदित)